'नशा जीवन' या 'जीवन नशा'?

भारत एक विकसित राष्ट्र नहीं है। लेकिन वह विकसन के राह में है। हर एक विकसित राष्ट्र का सबसे बड़ा ताकत है उस राष्ट्र का युवक लोग। क्योंकि राष्ट्र के लिए कोई भी जिम्मेदारी लेकर वह पूरा करने की ताकत युवक में ही है।

लेकिन आज हमारे राष्ट्र में युवक लोगों कि संभावना बहुत कम हो रही है। इसका कारण और कुछ नहीं नशीली वस्तुओं का उपयोग है। प्रस्तुत वस्तुओं के उपयोग से युवक अपनी शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को खराब कर रहे हैं। यह सिर्फ युवजनों में नहीं छोटे-छोटे बच्चों में भी दिखाई देते हैं। जो कुछ भी नहीं जानते उन्हें अपने जाल मे फसाकर अपने ~~स्व~~ खबस में कर देते हैं। यहाँ से बचना बहुत मुश्किल है। जो विद्यार्थी पढ़ाई में ऊँचाई पाकर बड़े जगहों पर पहुचना था उनकी जिन्दगी

का नाश हो गया। इस प्रकार हमारे राष्ट्र का भविष्य खराब हो रहा है।

प्रस्तुत विषय में गवेषणा करने वालों का मानना है कि आज जो विद्यार्थी जो नशे के जाल में फसा है वह अपनी जिन्दगी ही पूरा खराब कर देता है। क्योंकि इसके उपयोग ज्यादातर मानसिक समस्याएँ पैदा करता है और बहुत लोग अपना जीवन अंत कर देते हैं।

जीवन ईश्वर का दिया हुआ वरदान है। हमें नहीं पता है कि हम इस दुनिया में कल तक रहेंगे। इसीलिए हमें अपना जीवन पूरी तरह से जीना चाहिए। हमें खुश रहना चाहिए। और दूसरों को भी खुश रखना चाहिए। लेकिन इस बात को बहुत से लोग गलत समझते हैं। उनके हिसाब से नशे से खुशी मिलती है। उन्होंने नशे को ही अपना जीवन समझा है। वह अपनी हर खुशी नशे से ही मनाते हैं।

लेकिन यह बिलकुल गलत दृष्टी है। क्योंकि नशा किसी को खुशी प्रदान नहीं करता। बल्कि सबको दुख पहुँचाता है। नशे में होकर लोग अपना जीवन और दूसरों के जीवन में हमला करते हैं। इस तरह के खबर हर रोज़ हम सुनते हैं। इसलिए नशा एक आनंद दायक वस्तु नहीं है। हम सबको यह बात समझना है और अपना जीवन बचाना है।

जीवन ही जब एक वरदान और आनंद देने वाली वस्तु है हम क्यों और कोई चीज़ों के पीछे भाग रहे हैं। हमारे जीवन को खुश बनाने के लिए प्रकृति ने ही कितने सुंदर एवं उपयोगी वस्तु प्रदान कर दिया है। हमारे सामने ही जो वस्तु है हम वह दिखाई नहीं देता। हमें इन सबका प्रयाण करना चाहिए। उस समय हमारे समज में आएगा की इस दुनिया में हमारे सामने कितना बड़ा तौफा रखा गया है। हम यह समझेंगे कि दुनिया

में नशा या अन्य वस्तुओं से मिलने से भी अधिक आनंद होता है। हम यह समझेंगे कि हमें खुशी और सकून से जीने के लिए और किसी चीज की जरूरत नहीं। सिर्फ हमें अपने और चारों ओर देखना है।

इतने खूबसूरत दुनिया में जीने वाले हम हर रोज बुरी खबरें सुनकर ही दिन शुरू करते हैं। इससे हमें यह पता चलता है कि ना जाने कितनी सुंदर यह पृथ्वी हो मनुष्य उसकी सुंदरता की ओर नहीं देखता। मनुष्य में सिर्फ स्वार्थ भाव है। अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए वह अपने सहजीवियों के बारे में नहीं सोचता वह सबको चोट पहुँचा देता है। और अपने दर्द और खुशी का कारण बोलकर दूसरों के जान की कीमत नहीं देखता। अपनी खुशी को मनाते हुए वह शराब आदि नशे के पीछे जाता है। उसी प्रकार अपने धर्म में भी इसी का उपयोग

करता है। और यह उपयोग अपनी और दूसरों के जान खतरे में डालता है। कभी वह अपनी सेहत खराब करता है और कभी दूसरों की मृत्यु के कारण होता है।

जीवन अमूल्य है और हमें उसके मूल्य का पता होना चाहिए। हम सबका इस दुनिया में आने का एक कारण है उसे पूरा करने की कोशिश हमें करनी चाहिए। उस लक्ष्य को प्राप्त करने में नशा बिलकुल सहायक नहीं है। इसलिए हमें सभी बुरे आदतों से दूर रहकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

हम अक्सर यह देखते हैं कि हमारे आसपास जो युवक और विद्यार्थी जो बहुत अच्छे तरीके से पढ़ाई में आगे थे और जल्दी से अपना सभी लक्ष्य भूल जाते हैं। यह सब हमें बहुत गौरत विषय के साथ रखना है। क्योंकि वह

विद्यार्थी सिर्फ अपना ही नहीं इस पूरे प्रदेश के विकसन के खिलाफ है। वह अपने माता-पिता के सपनों को तोड़ रहा है। और इस एक विद्यार्थी के वजह से वहाँ के सभी विद्यार्थि को स्वाधीन करना बहुत ही आसान होगा।

हम भारतीय जनता अक्सर अन्य राष्ट्र को देखकर कहा करते हैं कि हमारा राष्ट्र उनके तरह विकसित क्यों नहीं है। इसका कारण और कुछ नहीं है लेकिन यह है कि हमारे राष्ट्र के भविष्य यानि युवक अपना लक्ष्य भूलकर छोटी-छोटी इस समय की खुशी के लिए अपना और अपने राष्ट्र के भविष्य को खराब कर रहें हैं।

इसलिए हमें इस बात का बोध होना चाहिए और दूसरों को बताना चाहिए कि केवल थोड़ी देर की खुशी के लिए अपना पूरा

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

भविष्य तोल पर न रखें। दुनिया में और भी कई चीजें हैं जो नशे से भी ज्यादा आनंद देता है। हमें उन सब वस्तुओं को कोशिश करना छोड़ चाहिए। उस प्रकार हमारा जीवन आनंद दायक एवं सुरक्षित रहेगा।

आधुनिक दुनिया जब इतनी आगे बढ़ गई है जब हमारे सभी आवश्य हम एक पल में प्राप्त कर सकते है हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए दुनिया आगे बढ़ने के लिए नई दिमागों की जरूरत है। और वह दिमाग बहुत तेज़ होना भी जरूरी है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए हम सबको अपनी तरफ देखकर अपने आप को सभी बुरे आदतों को दूर रखना है। उस प्रकार हम अपने मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार अपना लक्ष्य को और पहुँच सकें। और उस लक्ष्य में पहुँचकर अपने और माता-पिता को खुश रख सकें।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

जिंदगी जीने की आवश्यकता के बारे में अब्रहाम लिंकन इस प्रकार हैं,

"हमें किसी और के बारे में नहीं देखना, सिर्फ यही देखना है कि हम अभी जहाँ हैं इससे हमारी 8 साल बच्चा और 80 साल खुश है कि नहीं।"

इसका मतलब यह है कि जब हम 8 साल के थे तो हमारे बहुत सपने थे और जब हम 80 साल के होंगे हम पीछे अपनी जिंदगी के बारे में सोचेंगे। और उस समय हमें लगता है कि यह दोनों खुश हैं तो हम कामयाब हैं।

इसलिए जीवन ऐसे जीना चाहिए के हम अपने सभी सपना पूरा करें और मृत्यु के वक्त ना कोई अपराधबोध हो। ईश्वर का दिया हुआ वरदान थोड़ी खुशी के लिए मत तोड़ो।

जीवन आस्वादन के लिए है और हमें खुश रहना भी चाहिए। लेकिन इस प्रकार से जहाँ अपने आप को भी और दूसरों को भी नुकसान नहीं हो। नशा को जीवन समझकर नहीं जीवन को नशा समझकर जीना चाहिए। हमारे वजह से किसी के भी जीवन नाश न होना चाहिए। बल्कि हमें सबके जीवन को अच्छे तरीके से छुना और खुश रखने का प्रयास करना है।